(ग) इस पर कुल कितना खर्च आयेगा;

(घ) क्या सरकार इन राज्यों में नये इलैक्ट्रानिक टेलीफोन एक्सचेंज स्थापित करने का विचार रखती है; और

(ङ) यदि हां, तो स्थानों के नाम सहित उनका ब्यौरा क्या है, और

(च) देश में इलैक्ट्रानिक एक्सचेंजों की स्थापना सम्बन्धी वर्तमान स्थिति क्या है ?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुख राम) : (क) उत्तर प्रदेश में बिजनौर जिले में एक एक्सचेंज और मध्य प्रदेश में चार एक्सचेंज (अर्थात् जिला मन्दसौर में "एक", मुरैना में "दो" और शहडोल में "एक") मानव-चालित हैं।

(ख) 31 मार्च, 1993 तक।

(ग) अनुमानत: 9.27 करोड़ रुपए।

(घ) जी हां।

(ङ) पंजीकृत मांग के अनुसार प्रत्येक वर्ष बजट आवंटन का निर्णय होने के बाद ही नामों की सूची को अंतिम रूप दिया जाता है।

(च) 1992-93 के दौरान 16.44 लाख लाइनें जोड़ने की योजना बनाई गई है जिनमें से 15.64 लाख लाइनें इलैक्ट्रानिक हैं। 7.85 लाख लाइनें चालू की जा चुकी हैं।

मध्य प्रदेश में माण्ड थर्मल पावर स्टेशन की लागत का बढ़ना

*293. **श्री दिलीप सिंह जुदेव** : क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश के रायगढ़ के जिले में माण्ड थर्मल पावर स्टेशन निर्माण संबंधी प्रस्ताव स्वीकृति हेतु सरकार के पास लम्बित हैं;

(ख) यदि हां, तो यह कब से लम्बित है और उसके क्या कारण हैं;

(ग) योजना की वर्तमान लागत तथा पूर्व-प्रस्तावित लागत में कितना अन्तर आ गया है; और

(घ) इस पावर स्टेशन का प्रस्तावित अनुमानित विद्युत उत्पादन कितना है और उससे लाभान्वित होने वाले राज्यों का ब्यौरा क्या है ?

विद्युत मंत्री (श्री एन० के० पी० साल्वे) : (क) और (ख) जी, नहीं। 370.99 करोड़ रु० की अनुमानित लागत वाले मण्ड ताप विद्युत केन्द्र (2×210 मेगावाट) को अधिष्ठापित किए जाने के बारे में मध्य प्रदेश बिजली बोर्ड (एम.पी.ई.बी.) ने 1983 में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सी.ई.ए.) को परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। मध्य प्रदेश बिजली बोर्ड (एम.पी.ई.बी.), इस परियोजना के लिये अपेक्षित लिंकेज एवं स्वीकृतियां सुनिश्चित नहीं कर पाया था और परियोजना में पर्याप्त वन भूमि निहित होने के कारण 1990 में एम.पी.ई.बी. के अनुरोध पर केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा परियोजना पर आगे कार्यवाही नहीं की गई और प्रस्ताव को एम.पी.ई.बी. को लौटा दिया गया था।

(ग) और (घ) प्रश्न नहीं उठता।

राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (नैशनल थर्मल पावर कारपोरेशन) द्वारा मशीनरी का आयात

*294. **श्री वीरेन जे० शाह :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय

ताप विद्युत निगम ने गत तीन वर्षों में अनेक प्रकार की मशीनें तथा कल-पुर्जे खरीदे हैं;

(ख) यदि हां, तो कितने मूल्य की मशीनों तथा कल-पुर्जे खरीदे गए;

(ग) गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष कितने मूल्य की आयातित वस्तुएं उपयोग में लाई गईं;

(घ) दिसम्बर, 1992 को राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम के भंडार में कुल कितने मूल्य की आयातित सामग्री सुरक्षित है; और

(ङ) वास्तविक आवश्यकता के अधिक मात्रा में सामग्री का आयात किये जाने के क्या कारण हैं?

विद्युत मंत्री (श्री एन. के. पी. साल्वे) : (क) जी, हां।

(ख) राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एन.टी.पी.सी.) द्वारा विगत के तीन वर्षों के दौरान दिए गए खरीद संबंधी आर्डर का मूल्य निम्नवत् है :–

1989–90	1766 करोड़ रु. (लगभग)
1990–91	429 करोड़ रु. (लगभग)
1991–92	1300 करोड़ रु. (लगभग)

(ग) से (ङ) राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम द्वारा विगत के तीन वर्षों के दौरान मशीनरी के कल पुर्जे, आनुषंगिक और अतिरिक्त पुर्जों के आयात हेतु दिए गए आर्डरों का मूल्य निम्नवत् है :–

1989–90	1021 करोड़ रु. (लगभग)
1990–91	54 करोड़ रु. (लगभग)
1991–92	974 करोड़ रु. (लगभग)

मशीनरी और आनुषंगिक या तो अधिष्ठापित कर दिए गए हैं अथवा अधिष्ठापित किए जाने की प्रक्रियाधीन हैं और इस प्रकार इनका समुचित उपयोग किया जा रहा है। 1989–90, 1990–91 और 1991–92 के दौरान 306.11 करोड़ रु. के आयातित अतिरिक्त पुर्जों की अपेक्षा 31.3.92 की स्थिति के अनुसार राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम की विभिन्न परियोजनाओं के स्टोर में 268.86 करोड़ रु० की लागत के अतिरिक्त पुर्जे भण्डार में उपलब्ध थे। इनमें आवश्यक पुर्जे और बीमा किए गए पुर्जे जिनको मानदण्डों के अनुरूप प्राप्त किया गया था, शामिल हैं। संयंत्रों का विश्वसनीय प्रचालन सुनिश्चित किए जाने के लिए इन पुर्जों का भण्डार में होना आवश्यक है। इन मदों का आवश्यकता से अधिक मात्रा में आयात नहीं किया गया है।

Extension of repair facilities to other Airlines by Air India

*295. SHRI SUKOMAL SEN:
SHRI MOHAMMED AMIN:

Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Air India have extended or propose to extend the repair facilities to other airlines operating in the country's domestic as well as international sector; and

(b) if so, what are the details of these facilities?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) and (b) Subject to availability of capacity in its workshop, Air India provides repair facilities to other airlines.

The types of services provided include overhaul of engines, accessories, components, snag rectification and certification of aircraft.